Title : Regardian attrocities on non-resident Indians in Gaza strip of Isreal.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : सभापति महोदय, आपने मुझे स्पेशल मैन्शन में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं सदन और भारत सरकार के माननीय मंत्री जी का ध्यान एक बहुत महत्वपूर्ण मामले की ओर आकृट करना चाहता हूं। इजराइल के गाजा पट्टी में जो प्रवासी भारतीय हैं, उनके ऊपर अत्याचार हो रहा है।

उनके विस्थापन की बात से उनका भविय अनिश्चितता में है। मैं चाहूंगा कि इस पर भारत सरकार विशेा पहल करे। गाज़ा पट्टी में नीवी बेकामिल बस्तियों में जो अप्वासी भारतीयों का सबसे बड़ा समुदाय है, उस समुदाय का नाम विनेई मिनासे है जो हमारे पूर्वोत्तर के राज्यों के लोग हैं, चाहे वे मणिपुर के हों या मिज़ोरम के हों। उनको वहां से निकाला जा रहा है और यह कहा जा रहा है कि दस दिन के अंदर आपकी व्यवस्था हम होटलों में कर देंगे, एक बड़ा कमरा या दो छोटे कमरे देंगे। यह भी कहा जा रहा है कि आप या तो टैन्ट में रहिये या झोप्ड़ी बनाकर रहिये। आज वहां की स्थिति ठीक नहीं है। जो हमारे अप्रवासी भारतीय हैं, उनका भविय अनिश्चितता में है। मैं भारत सरकार का ध्यान आकृट करना चाहूंगा कि इस ओर विशेा ध्यान दे। उनके नेता नवीन गंगाते वहां लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन उसमें सफलता प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी और सरकार का ध्यान आक़ूट करना चाहूंगा हम अप्रवासी भारतीयों की बहुत चिन्ता करते हैं। आज ही आपने समाचार पत्रों में पढ़ा होगा कि अमेरिका में अप्रवासी भारतीयों ने कितने उत्साह से 15 अगस्त मनाया है। उनको कोई कट नहीं होना चाहिए। मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान आकृट करना चाहूंगा कि इस दिशा में भारत सरकार पहल करे और उनके पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करे। वहां के राद्राध्यक्ष या दूतावास से सीधे बात करके उनके ऊपर विशेा ध्यान दें।